DR Krishnadeo Kumar bharti
Assistant professor (G.T)
Dept of Political science
C.M.j Collage Donwarihat
Khutauna, Madhubani.
Email---Kdkbharti08@gmil.com
B.A Part-1 Date---02--07--2020.

दबाव समूह या हित समूह से आप क्या समझते हैं? भारतीय राजनीति में इनकी भूमिका का वर्णन करें।
What do you mean by pressure Groups? Describe its role in Indian Politics.

*20*वीं शताब्दी का समाजिक जीवन विभिन्न जटिलताओं से युक्त है।विश्व के प्रायः प्रत्येक देश में समान हितवाले व्यक्ति अपने को समूहों में संगठित करके अपने विभिन्न हितों एवं स्वार्थों की रक्षा करने का प्रयास करते हैं। सधारण भाषा मे इन्हें दबाव समूह या हित समूह कहा जाता है।दबाव समूह आधुनिक लोकतंत्र के अभिन्न अंग है।आज के लोकतंत्रीय देशों में विभिन्न राजनीतिक दलों के विकास के साथ साथ दबाव समूहों या हित समूहों का भी विकास हुआ है।दबाव एवं हित समूह आधुनिक समय में राजनीतिक व्यवस्था में उसके प्रमुख अंगों के रूप में दिखलायी पड़ते है।व्यवस्था के अन्तर्गत विभिन्न हितों वाले लोग रहते हैं, जो कृषक, मजदूर ,व्यवसायी, पूँजीपति, प्रबंधक आदि के रूप में पाये जाते है।ये छोटे या बड़े हित समूहों के रूप में व्यवस्था पर अपना हित साधन के लिए दबाव डालने का कार्य करते है।इस प्रकार के हित समूह वे समूह होते है, जो एक से ही छोटे बडे हितों को साधनों की दृष्टि से संगठित स्वरूप में परिवर्तित हो जाते है।जब ये हित समूह व्यवस्था पर अपने हित साधन के लिए दबाव डालने का कार्य करते हैं तो दबाव समूह के रूप में जाने जाते हैं।

माइनर वीनर महोदय के अनुसार--- "हित अथवा दबाव ऐसे ऐच्छिक समूह होते हैं जो सरकारी तंत्र के बाहर रहकर सरकारी कर्मचारियों के नामांकन, सार्वजनिक नीति के निर्माण, प्रशासन और निर्वाचन को प्रभावित करने का प्रयास करते है।"

फ्रेडरिक का विचार है-- उन्हें ऐसी शैतानी शक्ति माना जाता था जो आधुनिक लोकतंत्र और प्रतिनिधि शासन की जड़ों को धीरे धीरे काट रही हो।"

एच०जेगलर के अनुसार----दबाव-समूह एक संगठित समूह है जो सरकारी निर्णयों के संदर्भ को सरकार मे अपने प्रतिनिधियों को स्थापित किए बिना भी, प्रभावित करना चाहता है।

दबाव समूहों की विशेषताएँ या लक्षण

(1) दबाव समूह प्रारम्भ मे अपनी कार्य शैली को शक्ति के प्रदर्शन से आरंभ कर के उसे बाध्यकारी रूप में परिवर्तित करने के लिए प्रत्यनशील रहते हैं, जिससे वे स्वहित मे सरकारी नीतियों को प्रभावित कर सकें।
(2) दबाव समूह राजनीति में राजनीतिक एवं अराजनितिक गतिविधियों के बीच का मार्ग अपनाकर न दिखयी देनेवाली सरकार के रूप में कार्य करते हैं।फाइनर महोदय इसलिए उन्हें अज्ञात साम्राज्य के रूप में परिभाषित करते है तथा सेलिन महोदय उन्हें अनौपचारिक सरकार की संज्ञा प्रदान करते है।
(3) दबाव समूहों का कार्य क्षेत्र अपने हितों के संरक्षण एवं संवर्द्धन तक ही सीमित रहता हैं और इसलिए वे राजनीतिक व्यवस्था पर उसे अपने पक्ष में कार्य करने के लिए बाध्य हेतु दबाव की राजनीति का अनुगमन करते है।

हित समूहों के कार्य:---
1. निर्वाचनों को प्रभावित करना ।
2. हितों का प्रतिनिधित्व करना।
*3.*प्रचार कार्य करना।
4. सभा या सम्मेलनों का आयोजन करना।
5. कार्यपालिका को प्रभावित करना।

हित समूह
*1.*सामान्य हित समूह *2.*विशिष्ट हित समूह

सामान्य हितों को ही आधार मानकर चलनेवाले समूह प्रथम श्रेणी में आते हैं और विशिष्ट हितों की पूर्ति के लिए अपना कार्य संचालन करनेवाले समूह दूसरी श्रेणी में लिए गए हैं।

दबाव-समूह तथा राजनीतिक दल।
आगे, धन्यवाद।

Scanned with CamScanner